SOCIAL STUDIES

Class 10th

(HISTORY)

Chapter 3: भूमंडलीकृत विश्व का बनाना

To get notes visit our website

mukutclasses.in

अभ्यास के प्रश्न

प्रश्न 1. सत्रहवीं सदी से पहले होने वाले आदान-प्रदान के दो उदाहरण दीजिए। एक उदाहरण एशिया से और एक उदाहरण अमेरिका महाद्वीपों के बारे में चुने।

उत्तर : (i) चीन से सिल्क
(ii) अमेरिका से अनाज व खनिज।

प्रश्न 2. बताएँ कि पूर्व - आधुनिक विश्व में बीमारियों के वैश्विक प्रसार ने अमेरिकी भूभागों के उपनिवेशीकरण में किस प्रकार मदद दी ।

उत्तर : पूर्व-आधुनिक विश्व में बिमारियों के वैश्विक प्रसार ने अमेरिकी भूभागों के उपनिवेशीकरण में निम्न प्रकार से मदद की।

1.16वीं सदी के आते आते पुर्तगाली और स्पेनिश लोगों ने अमेरिका को उपनिवेश बनाना शुरू कर दिया था।
2. उन्होंने यह कार्य परंपरागत हथियारों से नहीं बल्कि चेचक जैसे कीटाणुओं के हमले से किया।
3. लोगों में इस बीमारी से लड़ने की रोग प्रतिरोधक क्षमता नहीं थी।
4. जबकि यूरोपियन सेना के लोगों में इस बीमारी से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो चुकी थी।
5. यह बीमारी पूरे अमेरिकी महाद्वीप में फैल गई थी ।
6. इसने यूरोपियन सेना का काम बहुत ही आसान कर दिया था

प्रश्न 3. निम्नलिखित वेफ प्रभावों की व्याख्या करते हुए संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें:

(क) कॉर्न लॉ के समाप्त करने के बारे में ब्रिटिश सरकार का फैसला।
(ख) अफ्रीका में रिडरपेस्ट का आना।
(ग) विश्वयुद्ध के कारण यूरोप में कामकाजी उम्र के पुरुषों की मौतें ।
(घ) भारतीय अर्थव्यवस्था पर महामंदी का प्रभाव।
(ङ) बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा अपने उत्पादन को एशियाई देशों में स्थानांतरित करने का फैसला।

उत्तर :

(क) कॉर्न लॉ के समाप्त होने के बाद ब्रिटेन में बहुत ही कम कीमत पर खाद्य पदार्थ आयात होने लगे। इन पदार्थों की कीमत वहां के स्थानीय खाद्य पदार्थों से काफी कम थी। परिणामस्वरूप वहां के किसानों की हालत बिगड़ने लगी। वे बाहर से आने वाले माल का मुकाबला नहीं कर सकते थे। जिससे हजारों लोग बेरोजगार हो गए। गांव के गांव उजड़ गए।

(ख) 1. अफ्रीकी महाद्वीप में रिंडरपेस्ट नामक बीमारी 1890 के आसपास फैल गई।
2.यह पशुओं में प्लेग की तरह फैलने वाली एक बीमारी थी।
3. इससे लोगों की आजीविका और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव पड़ा।

(ग) 1. इस विश्व युद्ध में मशीनगनों, टैंकों, हवाई जहाजों और रासायनिक हथियारों के बल पर लड़ा गया।
2. इस युद्ध में करीब 90 लाख लोग मारे गए थे तथा 2 करोड़ लोग घायल हुए।
3. इनमें से ज्यादातर लोग कामकाजी उम्र के थे ।
4. इस महायुद्ध के कारण यूरोप में काम करने वाले लोगों की संख्या काफी घट गई।
5. ऐसी स्थिति में परिवार की महिलाओं को काम करने के लिए आगे आना पड़ा।।

(घ) 1. महामंदी का भारतीय अर्थव्यवस्था पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा।
2. सन् 1928 और 1934 के बीच देश का आयात निर्यात घटकर लगभग आधा रह गया था।
3. अंतरराष्ट्रीय बाजार में वस्तुओं की कीमतें काफी नीचे आ गई थी।
4. भारत के गेहूं की कीमत 50% गिर गई थी।
5. जूट से बनी टाट की बोरियों का निर्यात बंद हो गया था।
6. ज्यादातर लोग कर्ज चुकाने में असमर्थ हो गए थे।

(ङ) 1.बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने अपने उत्पादन को एशियाई देशों में स्थानांतरित करने का फैसला किया।
2. क्योंकि अब विकासशील देश भी अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों से कर्ज ले सकते थे।
3. ज्यादातर सरकारें बाहर से आने वाली चीजों पर भारी भरकम आयात शुल्क वसूल करने लगी थीं।
4. अत: बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने कारखाने उन्ही देशों में लगाने लगा गई जहां वे अपना सामान बेचना चाहते थे।
5. एशियाई देशों में सस्ते मजदूर मिल जाते थे इसलिए कंपनियां अपने कारखाने एशिया की तरफ स्थानांतरित करने लग गई।

प्रश्न 4. खाद्य उपलब्धता पर तकनीक के प्रभाव को दर्शाने के लिए इतिहास से दो उदाहरण दें।
उत्तर: (i) यातायात और परिवहन के साधनों में बहुत सुधार हुआ। तेज चलने वाली रेलगाड़ियां बनी। समुद्री जहाजों का आकार बढ़ाया गया। जिससे खाद्य उत्पादों की उपलब्धता बढ़ने लगी।
(ii) पहले अमेरिका से यूरोप को मांस का निर्यात नहीं किया जाता था। उस समय जिंदा जानवर ही भेजे जाते थे, जिन्हें यूरोप ले जाकर काटा जाता था। लेकिन जिंदा जानवर बहुत ज्यादा जगह घेरते थे। बहुत सारे लंबे सफर में मर जाते थे। बहुतों का वजन गिर जाता था या वे खाने लायक नहीं रहते थे। इसलिए मांस खाना एक महँगा सौदा था। नई तकनीक के आने पर यह स्थिति बदल गई। पानी के जहाजों में रेफ्रिजरेशन की तकनीक स्थापित कर दी गई, जिससे जल्दी खराब होने वाली चीजों को भी लंबी यात्राओं पर ले जाया । जा सकता था। अब अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड सब जगह से जानवरों की बजाए उनका मांस ही यूरोप भेजा जाने लगा।

प्रश्न 5. ब्रेटन वुड्स समझौते का क्या अर्थ है?
उत्तर: ब्रेटन वुड्स समझौता जुलाई 1944 में अमेरिका स्थित न्यू हैम्पशर के ब्रेटन वुड्स नामक स्थान पर हुआ था। इसका मुख्य उद्देश्य यह था कि औद्योगिक विश्व में आर्थिक स्थिरता एवं पूर्ण रोजगार बनाए रखा जाए। इस समझौते के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष(आई.एम.एफ.) और अन्तर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक(विश्व बैंक) का गठन किया गया। इन संस्थानों का कार्य सदस्य देशों के विदेश व्यापार में लाभ और घाटे से निपटना था।

चर्चा करें

प्रश्न 6. कल्पना कीजिए की आप कैरीबियाई क्षेत्र में काम करने वाले गिरमिटिया मजदूर हैं। इस अध्याय में दिए गए विवरणों के आधार पर अपने हालात और अपनी भावनाओं का वर्णन करते हुए अपने परिवार के नाम एक पत्र लिखें।

उत्तर:- मान लिजिए कि मैं कैरीबियाई क्षेत्र में काम करने वाला एक गिरमिटिया मजदूर हूं। मैंने अपने हालात और अपनी भावनाओं का वर्णन करते हुए अपने पिताजी को एक पत्र लिखा

पूज्य पिताजी,

सबसे पहले आपको चरण स्पर्श। मैं यहाँ पर ठीक हूँ। आशा करता हूँ कि आप सब भी ठीक होंगे। यहाँ के हालात अच्छे नहीं हैं। मुझसे अनजाने में अनुबंध पर हस्ताक्षर करवा लिए गए। जिसके अनुसार मैं बीच में कुछ दिनों के लिए आपसे मिलने भी नहीं आ सकता।

यहाँ मेरे साथ बुरा बर्ताव किया जाता है। कोई यहाँ शिकायत सुनने वाला भी नहीं है। मुझे यहां अच्छा खाना भी नहीं दिया जा रहा है। मैं वापस अपने घर आना चाहता हूँ। फिलहाल मैं आपको कुछ पैसे भेज रहा हूं। ये पैसे कम हैं क्योंकि पिछले कुछ दिन बीमार होने के कारण काम नहीं कर सका जिससे मेरे पैसे कट गए और मुझे कम वेतन मिला। पत्र का जवाब शीघ्र देना। अधिक चिंता मत करना।

आपका पुत्र

____

प्रश्न 7. अंतरराष्ट्रीय आर्थिक विनिमयों में तीन तरह की गतियों या प्रवाहों की व्याख्या करें। तीनों प्रकार की गतियों के भारत और भारतीयों से संबंधित एक-एक उदाहरण दें और उनके •बारे में संक्षेप में लिखें।

उत्तर:- अंतरराष्ट्रीय आर्थिक विनिमयों में तीन तरह की गतियां या प्रवाह हुए।

1. **वस्तुओं का प्रवाह**:- सबसे पहले अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक विनिमयों में वस्तुओं का प्रवाह होने लगा। एक देश दूसरे देशों में कपड़ा अन्न व खाद्य पदार्थों का व्यापार करने लगे।
2. **श्रम का प्रवाह**:- दूसरा अंतरराष्ट्रीय प्रवाह श्रम का था। लोग या तो स्वयं काम की तलाश में दूसरे देशों में जाने लगे या दास बनाकर दूसरे देशों में भेजा जाने लगा।
3. **पूँजी का प्रवाह**:-तीसरा प्रवाह पूँजी का होता था। पूंजी का अंतरराष्ट्रीय प्रवाह कर्ज के रूप में और निवेश के रूप में होने लगा।

भारत से तीन प्रवाहों के उदाहरण-

1. वस्तुओं के प्रवाह के उदाहरण भारत में प्राचीन काल से ही मिलते हैं। भारत से मसाले, कपास आदि विदेशों में जाते थे तथा वहाँ से कपड़े वह अन्य चीजें आते थे।
2. भारत से बहुत से कामगार विदेशों में काम करने के लिए जाते थे।
3. बहुत से देशों ने भारत में पूँजी का निवेश किया। अंग्रेजों ने अनेक कंपनियाँ खोली और रेलवे को स्थापित किया।

प्रश्न 8. महामंदी के कारणों की व्याख्या करें।

उत्तर:- आर्थिक महामंदी की शुरूआत 1929 में हुई थी। इस मंदी के प्रमुख कारण निम्नलिखित थे।

1. कृषि क्षेत्र में अधिक उत्पादन होने के कारण कृषि उत्पादों की कीमतें लगातार गिरने लगी। गिरती कीमतों के कारण किसानों की आय घटने लगी। आय को बढ़ाने के लिए वे ज्यादा उत्पादन करने लगे। इससे कीमतें और गिरने लगी। खरीददारों के अभाव में कृषि उपज पड़ी पड़ी सड़ने लगी।
2. 1920 के दशक बहुत से देशों ने अमेरिका से कर्ज लेकर अपनी जरूरतों को पूरा किया था। हालात खराब होने अमेरिका ने सबको कर्ज चुकाने के लिए कहा। जो देश अमेरिकी कर्ज पर सबसे ज्यादा निर्भर थे उनके सामने गहरा संकट खड़ा हो गया।
3. अमेरीकी पूंजी के लौटने का पूरी दुनिया पर असर पड़ा। यूरोप में बड़े बड़े बैंक धराशायी हो गये। कई देशों की मुद्रा की कीमत बुरी तरह गिर गई। इससे ब्रिटिश पाउंड भी नहीं बच पाया।
4. अमेरिका ने इस महामंदी से बचने के लिए आयात शुल्क दोगुना कर दिया। इससे विदेशी व्यापार ठप्प हो गया।
5. अमेरिकी बैंकों ने घरेलू कर्ज़ देना बंद कर दिया। इससे स्थानीय व्यापार तबाह होने लगा।

प्रश्न 9. जी-77 देशों से आप क्या समझते हैं? जी-77 को किस आधार पर ब्रेटन वुड्स की जुड़वाँ संतानों की प्रतिक्रिया कहा जा सकता है? व्याख्या करें।

उत्तर:- **जी-77** उन विकासशील देशों का समुह था जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद स्वतंत्र हुए थे किंतु 50 व 60 के दशक में पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं की तेज प्रगति से उन्हें कोई लाभ नहीं हुआ। अपनी अर्थव्यवस्था की प्रगति के लिए उन्होंने एक नई अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक प्रणाली के लिए आवाज उठाई और अपना एक संगठन बनाया जिसे जी- 77 के नाम दिया गया। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक को ब्रेटन वुड्स की जुड़वाँ संतान माना जाता है।इन दोनों संस्थानों ने केवल विकसित देशों के हित में काम किया। विकासशील देशों को इसका कोई लाभ नहीं हुआ। प्रतिक्रिया स्वरूप विकासशील देशों ने जी- 77 संगठन बनाया।